

विज्ञान

(www.tiwariacademy.com)

(अध्याय - 5) (पौधे एवं जंतुओं का संरक्षण)

(कक्षा - 8)

प्रश्न 1:

रिक्त स्थानों की शब्दों द्वारा पूर्ति कीजिए-

(क) वह क्षेत्र जिसमें जन्तु अपने प्राकृतिक आवास में संरक्षित होते हैं, _____ कहलाता है।

(ख) किसी क्षेत्र विशेष में पाई जाने वाली स्पीशीज़ _____ कहलाती है।

(ग) प्रवासी पक्षी सुदूर क्षेत्रों से _____ परिवर्तन के कारण पलायन करते हैं।

उत्तर 1:

(क) वह क्षेत्र जिसमें जन्तु अपने प्राकृतिक आवास में संरक्षित होते हैं, वन्यप्राणी अभ्यारण्य कहलाता है।

(ख) किसी क्षेत्र विशेष में पाई जाने वाली स्पीशीज़ विशेष क्षेत्री स्पीशीज़ कहलाती है।

(ग) प्रवासी पक्षी सुदूर क्षेत्रों से जलवायु परिवर्तन के कारण पलायन करते हैं।

प्रश्न 2:

निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए-

(क) वन्यप्राणी उद्यान एवं जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र

(ख) चिड़ियाघर एवं अभ्यारण्य

(ग) संकटापन्न एवं विलुप्त स्पीशीज़

(घ) वनस्पतिजात एवं प्राणिजात

उत्तर 2:

(क) वन्यप्राणी उद्यान एवं जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र

क्र.सं	वन्यप्राणी उद्यान	जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र
1.	ऐसे क्षेत्र जहाँ वन्यप्राणी (जन्तु) सुरक्षित एवं संरक्षित रहते हैं। इन्हें वन्यप्राणी उद्यान या वन्यप्राणी अभ्यारण्य कहते हैं। अभ्यारण्य वह स्थान है जहाँ प्राणियों अथवा जन्तुओं को मारना या शिकार करना अथवा पकड़ना पूर्णतः निषिद्ध होता है।	वह क्षेत्र जो उस क्षेत्र की जैव विविधता और संस्कृति की रक्षा करने के लिए संरक्षित है, उसे जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र कहते हैं। आरक्षित क्षेत्र में कई संरक्षित क्षेत्र हैं जैसे कि अभ्यारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, झीलें आदि।
2.	भारत में लगभग 440 वन्यजीव अभ्यारण्य हैं।	भारत में 15 जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र हैं।

(ख) चिड़ियाघर एवं अभ्यारण्य

क्र.सं	चिड़ियाघर	अभ्यारण्य
1.	यह एक ऐसा स्थान है जहाँ जानवर कृत्रिम आवास में रहते हैं।	यह वह स्थान है जहाँ जानवर प्राकृतिक आवास में रहते हैं।
2.	जानवरों को सार्वजनिक दृश्य के लिए संरक्षित किया जाता है और वे छोटे क्षेत्रों में होते हैं।	जानवरों को बहुत बड़े क्षेत्रों में संरक्षित किया जाता है। यह क्षेत्र शिकार, चराई, पेड़ काटने आदि के लिए निषिद्ध हैं।

(ग) संकटापन्न एवं विलुप्त स्पीशीज़

क्र.सं	संकटापन्न स्पीशीज़	विलुप्त स्पीशीज़
1.	वे प्रजातियाँ जो विलुप्त होने के कगार पर हैं और जिन्हें संरक्षित किए जाने की आवश्यकता है उन्हें संकटापन्न स्पीशीज़ के रूप में जाना जाता है।	वे प्रजातियाँ जो पृथ्वी पर अब मौजूद नहीं हैं, उन्हें विलुप्त स्पीशीज़ के रूप में जाना जाता है।
2.	उदाहरण: बाघ, जंगली भैंस आदि।	उदाहरण: डायनासोर

विज्ञान

(www.tiwariacademy.com)

(अध्याय - 5) (पौधे एवं जंतुओं का संरक्षण)

(कक्षा - 8)

(घ) वनस्पतिजात एवं प्राणिजात

क्र.सं	वनस्पतिजात	प्राणिजात
1.	किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने वाले पेड़-पौधे उस क्षेत्र के वनस्पतिजात कहलाते हैं।	किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने वाले जीव-जन्तु उस क्षेत्र के प्राणिजात कहलाते हैं।
2.	उदाहरण: साल, सागौन, आम, जामुन, फर्न, अर्जुन, आदि वनस्पतिजात हैं।	उदाहरण: चिंकारा, नीला-बैल, भौंकने वाले हिरण, चीतल, तेंदुआ, जंगली कुत्ता, भेड़िया, आदि प्राणिजात हैं।

प्रश्न 3:

वनोन्मूलन का निम्न पर क्या प्रभाव पड़ता है, चर्चा कीजिए:

(क) वन्यप्राणी

(ख) पर्यावरण

(ग) गाँव (ग्रामीण क्षेत्र)

(घ) शहर (शहरी क्षेत्र)

(ङ) पृथ्वी

(च) अगली पीढ़ी

उत्तर 3:

(क) वन्यप्राणी: वनोन्मूलन से वन्यप्राणियों का प्राकृतिक आवास नष्ट हो जाता है। प्राकृतिक आवास के बिना जानवरों को रहने और प्रजनन करने के लिए कोई जगह नहीं बचती। इसके परिणामस्वरूप कई जानवर विलुप्त होने के कगार पर होते हैं।

(ख) पर्यावरण: वनोन्मूलन का परिणाम विश्व ऊष्णन है। कार्बन डाइऑक्साइड पौधों द्वारा अवशोषित नहीं हो पाती और यह वायुमंडल में जमा हो जाती है। इसका हमारे पारितंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

(ग) गाँव (ग्रामीण क्षेत्र): ग्रामीण क्षेत्र काफी हद तक ईंधन, फल, लकड़ी आदि के लिए वनों पर निर्भर होते हैं। वनोन्मूलन ने उनके संसाधनों को कम कर दिया है और निर्जन जानवर भी ग्रामीणों के लिए एक खतरा बनते जा रहे हैं।

(घ) शहर (शहरी क्षेत्र): शहर वनोन्मूलन से सीधे प्रभावित नहीं होते हैं। लेकिन जलवायु में परिवर्तन से बाढ़ और सूखे जैसी आपदाओं का खतरा बढ़ जाता है जो शहरों को भी प्रभावित करती हैं। यह विश्व ऊष्णन की ओर भी ले जाता है।

(ङ) पृथ्वी: वनोन्मूलन से उपजाऊ भूमि रेगिस्तान में परिवर्तित हो जाती है। बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं भी वनोन्मूलन का परिणाम हैं। वनोन्मूलन के कारण पृथ्वी की जलवायु भी परिवर्तित हो जाती है।

(च) अगली पीढ़ी: वनोन्मूलन ने हमारी जलवायु को अत्यन्त प्रभावित किया है। वनों की कटाई के कारण कई प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं और कुछ प्रजातियां पहले से ही विलुप्त हैं। अगली पीढ़ी कई सुंदर और आकर्षक प्राणिजात और वनस्पतिजात को देखने में सक्षम नहीं होंगे। उन्हें विश्व ऊष्णन के प्रभावों का शिकार होना पड़ सकता है। और उनके पास कोई ईंधन और कागज आदि भी नहीं होगा।

प्रश्न 4:

क्या होगा यदि:

(क) हम वृक्षों की कटाई करते रहे?

(ख) किसी जंतु का आवास बाधित हो?

(ग) मिट्टी की ऊपरी परत अनावरित हो जाए?

उत्तर 4:

(क) हम वृक्षों की कटाई करते रहे : अगर हम पेड़ों को काटते चले जाएं, तो बारिश और मिट्टी की उर्वरता कम हो जाएगी और प्राकृतिक जलवायु में बदलाव आएगा। इससे मिट्टी की जल धारण क्षमता में भी कमी आएगी जिसके परिणामस्वरूप बाढ़ आने की संभावनाएँ बढ़ जाएंगी। इससे पशु जीवन भी प्रभावित होगा।

विज्ञान

(www.tiwariacademy.com)

(अध्याय - 5) (पौधे एवं जंतुओं का संरक्षण)

(कक्षा - 8)

- (ख) किसी जन्तु का आवास बाधित हो : जन्तुओं का जीवित रहना मुश्किल हो जाएगा क्योंकि उनका प्राकृतिक आवास बाधित होगा। उनके पास रहने और प्रजनन के लिए कोई जगह नहीं होगी। परिणामस्वरूप वे जीवित नहीं रह पाएंगे और भोजन की कमी के कारण जन्तु पास के गाँवों में भटकने लगेंगे और घरेलू पशुओं को अपना शिकार बनाएंगे।
- (ग) मिट्टी की ऊपरी परत अनावरित हो जाए : यदि मिट्टी की ऊपरी परत अनावरित हो जाएगी है तो वह जल से धुल जाएगी। ऊपरी परत के हटने से उपजाऊ भूमि धीरे-धीरे रेगिस्तान में परिवर्तित जाएगी। इसके अलावा जल के साथ बहकर गयी मिट्टी नदी के तल में जमा हो जाएगी जिसके परिणामस्वरूप नदियों की गहराई कम हो जाएगी। जिससे बाढ़ की संभावना कई गुना बढ़ जाएगी।

प्रश्न 5:

संक्षेप में उत्तर दीजिए:

- (क) हमें जैव विविधता का संरक्षण क्यों करना चाहिए?
- (ख) संरक्षित वन भी वन्य जन्तुओं के लिए पूर्ण रूप से सुरक्षित नहीं है, क्यों?
- (ग) कुछ आदिवासी वन (जंगल) पर निर्भर करते हैं। कैसे?
- (घ) वनोन्मूलन के कारक और उनके प्रभाव क्या हैं?
- (ङ) रेड डाटा पुस्तक क्या है?
- (च) प्रवास से आप क्या समझते हैं?

उत्तर 5:

- (क) यह सभी जीवों और पर्यावरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमें इसे विलुप्त होने से बचाने के लिए जैव विविधता का संरक्षण करना चाहिए।
- (ख) संरक्षित वन भी वन्य जन्तुओं के लिए पूर्ण रूप से सुरक्षित नहीं है क्योंकि शिकारी इन क्षेत्रों में पहुंच कर वन्य जन्तुओं का शिकार करते हैं। अवैध अतिक्रमण और शिकार के खिलाफ सख्त नियम बनाने की जरूरत है।
- (ग) कुछ आदिवासी अभी भी अपने भोजन, ईंधन, लकड़ी, आश्रय आदि के लिए वनों (जंगल) पर निर्भर हैं। वे वनों (जंगलों) में रहते हैं और उन पर निर्भर रहते हैं।
- (घ) वनोन्मूलन का मुख्य कारण बढ़ता शहरीकरण और औद्योगीकरण है। अधिक भूमि और संसाधनों की आवश्यकता के कारण वनों का कटाव बढ़ा है। वनोन्मूलन के परिणाम मरुस्थलीकरण और प्राकृतिक आपदाएं हैं। इसने पौधों और जन्तुओं की कई प्रजातियों को भी असुरक्षित बना दिया है।
- (ङ) रेड डाटा पुस्तक में सभी लुप्तप्राय जन्तुओं और पौधों का रिकॉर्ड होता है। लुप्तप्राय जानवरों और लुप्तप्राय पौधों के लिए अलग-अलग रिकॉर्ड बुक बनाए जाते हैं।
- (च) प्रजनन और विशिष्ट उद्देश्यों के लिए पक्षियों और जानवरों की कुछ प्रजातियां अपने निवास स्थान से किसी अन्य निवास स्थान में स्थानांतरित होती हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षी हर बार एक विशेष समय के दौरान दूर के क्षेत्रों में चले जाते हैं और कुछ समय बाद अपने मूल निवास पर लौट आते हैं। कुछ प्रजातियों के इस आवधिक को प्रवास के रूप में जाना जाता है।

प्रश्न 6:

फैक्टरियों एवं आवास की मांग की आपूर्ति हेतु वनों की अनवरत कटाई हो रही है। क्या इन परियोजनाओं के लिए वृक्षों की कटाई न्यायसंगत है? इस पर चर्चा कीजिए तथा एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार कीजिए।

उत्तर 6:

फैक्टरियों में और आश्रय के लिए बढ़ती मांग, पेड़ों को लगातार काटा जा रहा है। अगर हमें अगली पीढ़ियों के लिए अपनी हरी संपत्ति बरकरार रखनी है, तो अधिक से अधिक पेड़ लगाना ही एकमात्र विकल्प है। पेड़ों की कटाई को तब ही उचित ठहराया जा सकता है जब उनके स्थान पर पुनः वृक्षारोपण किया जाए।

वृक्षारोपण द्वारा नए पेड़ों को लगाकर नष्ट हुए जंगलों की पुनर्स्थापना की जा सकती है। लगाए गए पेड़ उसी प्रजाति के होने चाहिए जो आमतौर पर जंगलों में पाए जाते हैं। हम जितने पेड़ काटते हैं, उतने या उससे अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

विज्ञान

(www.tiwariacademy.com)

(अध्याय - 5) (पौधे एवं जंतुओं का संरक्षण)

(कक्षा - 8)

भूमि प्राकृतिक रूप से बचे रहने पर भी प्राकृतिक रूप से संरक्षण हो सकता है तथा वन खुद को समय के साथ स्थापित कर लेंगे।

हमने अपने वनों को इस हद तक नुकसान पहुँचाया है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित संपदा को बनाए रखना मुश्किल होगा। इसलिए अधिक पेड़ लगाना और हमारे प्राकृतिक संपदा की पुनरावृत्ति करना और पुनः स्थापित करने के तरीकों का पता लगाना बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 7:

अपने स्थानीय क्षेत्र में हरियाली बनाए रखने में आप किस प्रकार योगदान दे सकते हैं? अपने द्वारा की जाने वाली क्रियाओं की सूची तैयार कीजिए।

उत्तर 7:

अपने स्थानीय क्षेत्र में हरियाली बनाए रखने की जिम्मेदारी हर स्थानीय निवासी की होती है। हमें अपने स्थानीय क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। स्थानीय निवासियों को इलाके में हरियाली के संरक्षण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। साथ ही स्थानीय निवासियों को वनोन्मूलन और विश्व ऊष्णन के परिणामों के बारे में जागरूक करना जाना चाहिए। मैं अपने इलाके में पौधे लगाता हूँ। मैं छोटे बच्चों को भी बताता हूँ और प्रोत्साहित करता हूँ। मैंने 'हर साल सब निवासी एक पेड़' का नारा भी दिया है। ताकि प्रत्येक निवासी एक वर्ष में कम से कम एक पेड़ लगा सके और उसकी देखभाल कर सके।

प्रश्न 8:

वनोन्मूलन से वर्षा दर किस प्रकार कम हुई है? समझाइए।

उत्तर 8:

पौधों को भोजन बनाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड की आवश्यकता होती है। कम वृक्ष का अर्थ है कार्बन डाइऑक्साइड के उपयोग में कमी आना जिससे वायुमंडल में इसकी मात्रा बढ़ जाती है क्योंकि कार्बन डाइऑक्साइड पृथ्वी द्वारा उत्सर्जित ऊष्मीय विकिरणों का प्रग्रहण कर लेती है। अतः इसकी मात्रा में वृद्धि के परिणामस्वरूप विश्व ऊष्णन होता है। पृथ्वी पर ताप में वृद्धि, जल चक्र का संतुलन बिगड़ता है और वर्षा दर में कमी आती है।

प्रश्न 9:

अपने राज्य के राष्ट्रीय उद्यानों के विषय में सूचना एकत्र कीजिए। भारत के रेखा मानचित्र में उनकी स्थिति दर्शाइए?

उत्तर 9:

अपने राज्य के अनुसार स्वयं करें।

प्रश्न 10:

हमें कागज़ की बचत क्यों करना चाहिए? उन कार्यों की सूची बनाइए जिनके द्वारा आप कागज़ की बचत कर सकते हैं।

उत्तर 10:

कागज़ का उपयोग हमारे दैनिक जीवन में किया जाता है। कागज़ की मांग को पूरा करने के लिए हजारों वृक्ष काटे जाते हैं। यदि वृक्षों को कागज़ के लिए काटा जा रहा है, तो एक दिन हो सकता है कि कोई वृक्ष ही नहीं बचेगा। इसलिए कागज़ को बचाया जाना चाहिए और समझदारी से उपयोग किया जाना चाहिए। कागज़ बचाने के तरीके इस प्रकार हैं:

- हमें बेकार कागज़ को पुनरावृत्ति करना चाहिए।
- हमें इधर उधर कागज़ों को नहीं फेंकना चाहिए।
- पुनरावृत्ति के लिए उचित प्रणाली के माध्यम से कागज़ भेजा जाना चाहिए।
- हमें अपनी पुरानी किताबों को नहीं फाड़ना चाहिए और इसे गरीब बच्चों को दान करना चाहिए ताकि वे उन किताबों का पुनः उपयोग कर सकें।
- हमें पुनर्नवीनीकरण कागज़ उत्पादों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- हमें दुकानों से पेपर बैग लेने से बचना चाहिए, इसके बजाय हमें जूट बैग ले जाना चाहिए।

विज्ञान

(www.tiwariacademy.com)

(अध्याय - 5) (पौधे एवं जंतुओं का संरक्षण)

(कक्षा - 8)

प्रश्न 11:

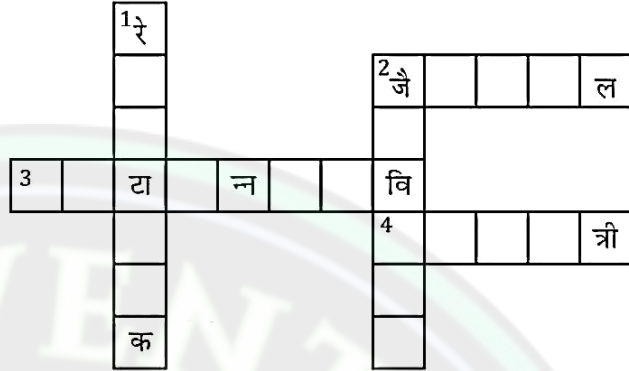
दी गई शब्द पहेली को पूरा कीजिए-

ऊपर से नीचे की ओर

1. विलुप्त स्पीशीज की सूचना वाली पुस्तक
2. पौधों, जंतुओं एवं सूक्ष्मजीवों की किस्में एवं विभिन्नताएँ

बाईं से दाईं ओर

2. पृथ्वी का वह भाग जिसमें सजीव पाए जाते हैं
3. विलुप्त हुई स्पीशीज
4. एक विशिष्ट आवास में पाई जाने वाली स्पीशीज



उत्तर 11:

1. रेड डाटा पुस्तक
 2. जैव विविधता
- बाईं से दाईं ओर
2. जैव मंडल
 3. संकटापन्न
 4. विशेषक्षेत्री

